This question paper contains 3 printed pages. *Your Roll No.....*

M.A. / IV Sem.

7100 **A**

BUDDHIST STUDIES – Paper BS-401 (C)
(Ancient Indian Epigraphy)

(Admissions of 2009 and onwards)

Time : 3 hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 70
पूर्णांक : 70

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper)
(इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : *-Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी : इस प्रश्न–पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिये; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिये।

Answer any three questions.
All the questions carry equal marks.

1. Write notes on the historical and topographical importance of any ***Two*** of the following:

(a) Buddhist Pillar Inscription of the Time of the Śuṅgas
(b) Shinkot Steatite Casket Inscription of the Time of Menander
(c) Nalanda Inscription of Vipulasrimitra.
(d) Mainamati Copper Plate

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के ऐतिहासिक तथा स्थलाकृतिक महत्त्व पर टिप्पणियां लिखिए।

(क) शुंगकालीन बौद्ध स्तम्भ अभिलेख
(ख) मिनंदर कालीन शिनकोट खड़ी डिब्बी अभिलेख
(ग) विपुलश्रीमित्र का नालंदा अभिलेख
(घ) मैनामति कांस्य तस्तरी

2. Identify the following inscription and transcribe it into Aśokan Brāhmī. Translate it into either English or Hindi and discuss the importance of the ***italicized*** words. Also point out the historical and topographical importance of this inscription in the history of Indian Buddhism.

piyadasi lājā māgadhe saṅghaṁ abhivādetūnaṁ āhā apābādhataṁ ca phāsuvihālataṁ ca (|) vidite ve bhaṁte hamā budhasi dhaṁmasi saṅghasi ti gālave ca pasāde ca (|) e keci bhaṁte bhagavatā budhena bhāsite save se subhāsite vā (|) e cu kho bhaṁte hamiyāye diseyā hevaṁ sadhaṁme cilaṭhitīke hosatī ti alahāmi hakaṁ taṁ vatave imāni bhaṁte dhaṁmapaliyāyāni (|) ***vinayasamukase*** (|) ***aliyavasāṇi*** (|) ***anāgatabhayāni*** (|) ***munigāthā*** (|) ***moneya sūte*** (|) ***upatisapasine*** (|) e cā ***lāghulovāde musāvādaṁ*** adhigicya bhagavatā budhena

bhāsite (|) etāni bhaṅte dhaṅmapaliāyāni ichām (|) kiṅti (|) bahuke bhikhupāye cā bhikhuniye cā abhikhinaṅ suneyu cā upadhālayeyu cā (|) hevaṅmevā upāsakā cā upāsikā cā (|) eteni bhaṅte imaṅ likhāpayāmi abhipetaṅ me janaṅtūti (|)

निम्नलिखित अभिलेख को पहचानिए तथा उसे अशोकी ब्राह्मी में लिप्यन्तरित कीजिए। इसका अंग्रेजी अथवा हिन्दी में अनुवाद तथा रेखांकित शब्दों के महत्त्व पर चर्चा कीजिए। इस अभिलेख के भारतीय बौद्ध धर्म में ऐतिहासिक तथा स्थलाकृतिक महत्त्व का विवरण भी दीजिए।

पियदसि लाजा मागधे संघं अभिवादेतूनं आहा अपाबाधतं च (|) विदिते वे भंते हमा बुधसि धंमसि ति गालवे च पसादे च (|) ए केचि भंते भगवता बुधेन भासिते सवे से सुभासिते वा (|) ए चु खो भंते हमियाये दिसेया चिलठितीके होसति ति अलहामि हकं ते वतवे इमानि भंते धंमपलियायानि (|) *विनयसमुकसे* (|) *अलियवसानि* (|) *अनागतभयानि* (|) *मुनिगाथा* (|) *मोनेय सूते* (|) *उपतिसपसिने* (|) ए चा *लाघुलोवादे मुसावादं* अधिगिच्य भगवताबुधेन भासिते (|) एतानि भंते धंमपलिआयानि इछामि (|) किंति (|) बाहुके भिखुपाये चा भिखुनिये चा अभिखिनं सुनेयु चा उपघालयेयु चा (|) हेवंमेवा उपासका चा उपासिका चा (|) एतेनि भंते इमं लिखापयामि अभिपेतं मे जनंतूति (|)

3. Identify the following inscription and transcribe it into Aśokan Brāhmī. Translate it into English. What is the historical and topographical importance of this inscription in the history of Buddhism in Myanmar?

Ye dhammā hetupabhavā tesaṃ hetu tathāgato āha tesañ nirodho evaṃ vādi mahāsamano ti || cattāro iddhipādā cattāro sammappadhānā cattāro satipaṭṭhānā cattāri ariyasaccāni catuvesārajjāni pañ yāni pañkkhūni cha asāddhāraṇāni satta bhojjhaṅgā ariyo aṭṭhaṅgiko maggo nava lokuttarā dhammā dasa balāni cuddasa Buddha yonī aṭṭhārasa buddhadhammāni ||

निम्नलिखित अभिलेख को पहचानिए तथा उसे अशोकी ब्राह्मी में लिप्यन्तरित कीजिए। इसका अंग्रेजी अथवा हिन्दी में अनुवाद कीजिए। इस अभिलेख का म्यांमारीय बौद्ध धर्म में ऐतिहासिक तथा स्थलाकृतिक महत्त्व क्या है?

ये धम्मा हेतुपभवा तेसं हेतु तथागतो आह तेसं निरोधो एवं वादि महासमनो ति|| चत्तारो इद्धिपादा चत्तारो सम्मप्पधाना चत्तारो सतिपट्ठाना चत्तारी अरियसच्चानि चतुवेसारज्जानि पंक्खूनि छ असाद्धारणानि सत्त बोज्झंगा अरियो अट्ठंगिको मग्गो नव लोकुत्तरा धम्मा दस बलानि चुद्दस बुद्ध योनि अट्ठारस बुद्धधम्मानि ||

4. Identify the following inscription and transcribe it ***EITHER*** into Roman ***OR*** Devanāgarī script. Translate it into English. What is its historical importance?

निम्नलिखित अभिलेख को पहचानिए तथा उसे रोमन अथवा देवनागरी में लिप्यन्तरित कीजिए। इसका अंग्रेजी अथवा हिन्दी में अनुवाद कीजिए। इस अभिलेख का ऐतिहासिक महत्त्व क्या है ?

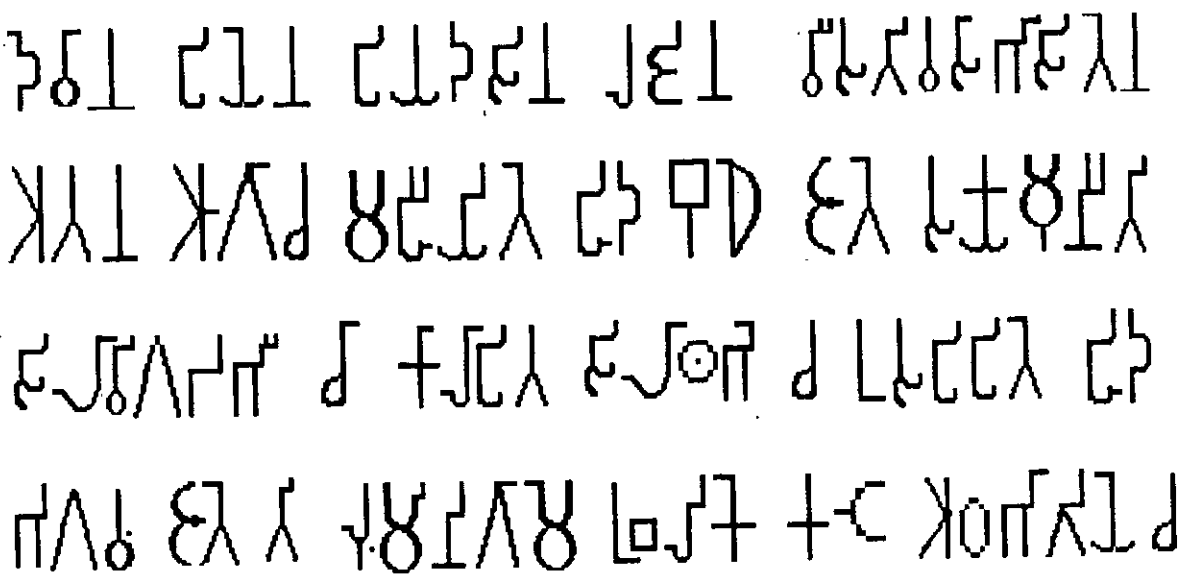

5. Identify the following inscription and transcribe it into Aśokan Brāhmī. Translate it *either* into English *or* Hindi. Also discuss the historical and topographical importance of this inscription with special reference to the role played by it in the identification of the spot of birth of Gautama Buddha.

sukiti-bhatinaṅ sa-bhaginikanaṅ sa-puta-dalanaṅ |
iyaṅ salila-nidhane budhasa bhagavate sakiyānaṅ ||

निम्नलिखित अभिलेख को पहचानिए तथा उसे अशोकीय ब्राह्मी में लिप्यन्तरित कीजिए। इसका अंग्रेजी अथवा हिन्दी में अनुवाद तथा रेखांकित शब्दों के महत्त्व पर चर्चा कीजिए। इस अभिलेख का गौतम बुद्ध के जन्मस्थान की पहचान के संदर्भ ऐतिहासिक तथा स्थलाकृतिक महत्त्व का विवरण भी दीजिए।

सुकिति–भतिनं स–भगिनिकनं स–पुत–दलनं |
इयं सलिल–निधने बुधस भगवते सकियानं ||